सान्या की शादी शरद सिन्हा से हुई. व 2015 से दुबई में रह रहा है.

पर्यावरण रक्षा के लिए साथ आये सीयूजे व सीसीएल

- सीयूजे में सेंटर फॉर इनवायरनमेंट, सोसाइटी एंड गवर्नेंस फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट का उद्घाटन

लाइफ रिपोर्टर @ रांची

सीसीएल के सीएमडी पीएम प्रसाद ने कहा है कि खनन बंद करना भी एक चुनौती है. सीसीएल सतत विकास लक्ष्यों की दिशा में काम कर रही है. खनन प्रक्रिया को पर्यावरण के अनुकूल बनाने के लिए सीसीएल कोयला खदानों में नयी तकनीकों का उपयोग करने जा रही है. पर्यावरण की रक्षा के लिए सीएसआर फंड से सीयूजे और सीसीएल मिलकर काम करेंगे. श्री प्रसाद मंगलवार को केंद्रीय विवि, झारखंड (सीयूजे) में सेंटर फॉर इनवायरमेंट, सोसाइटी एंड गवर्नेंस फॉर सस्टेनबल डेवलपमेंट विषय पर आयोजित सेमिनार में बोल रहे थे.

श्री प्रसाद ने कहा कि कोल इंडिया लिमिटेड दिन-ब-दिन प्रगति कर रहा है. इसी क्रम में सीसीएल सतत विकास लक्ष्यों की दिशा में काम कर रहा है. श्री प्रसाद ने कहा कि सीयूजे के मुख्य परिसर में सोलर लाइट का उपयोग किया जा सकता है. विवि के कुलपति प्रो क्षितिज भूषण दास ने कहा कि कई कंपनियां खराब शासन और योजना के कारण विफल रही हैं. उन्होंने कहा कि विवि पिछले 13 वर्षों के दौरान राज्य के मानव पूंजी विकास को पूरा करने का प्रयास कर रहा है. इसके लिए विवि में राष्ट्रीय उद्यमिता और लघु व्यवसाय विकास संस्थान के एमओयू भी किया है. इस अवसर पर सीसीएल के एचआर उप प्रबंधक अखिलेश उपाध्याय, प्रो रतन कुमार डे, प्रो मनोज कुमार, प्रो एस मेधेकर, प्रो एस एल हरिकुमार, सहित सभी डीन, अधिकारी, शिक्षक, शोधार्थी, छांत्र आदि उपस्थित थे.

सीयूजे में सीईएसजीएसडी केंद्र शुरू

रांची, प्रमुख संवाददाता। केंद्रीय विश्वविद्यालय झारखंड के ब्रांबे परिसर में मंगलवार को सेंटर फॉर एनवायरनमेंट, सोसाइटी एंड गवर्नेंस फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट (सीईएसजीएसडी) की शुरुआत हुई।

केंद्रीय विश्वविद्यालय में सीईएसजीएसडी केंद्र की शुरुआत करते अतिथि।

उद्घाटन के मौके पर मुख्य अतिथि सेंट्रल कोल फील्ड्स लिमिटेड के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक पी एम प्रसाद मौजूद थे। अध्यक्षता कुलपति प्रो क्षिति भूषण दास ने की। विश्वविद्यालय ने हाल ही में राष्ट्रीय उद्यमिता और लघु व्यवसाय विकास संस्थान (एनआईएसबीयूडी) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है, जो जनजातीय युवाओं को कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने और एक उद्यमशील बनाने के लिए उद्यमिता और कौशल मंत्रालय का एक अंग है।

सीईएसजीएसडी केंद्र का काम विभिन्न स्तरों पर स्थानीय समुदायों, सरकारी एजेंसियों, गैर-सरकारी संगठनों और निर्णय निर्माताओं जैसे विकास क्षेत्र में हितधारकों की विस्तृत श्रृंखला को ज्ञान-आधारित सेवाएं प्रदान करना होगा। यह प्राकृतिक संसाधनों के जिम्मेदार प्रबंधन के लिए अध्ययन और कार्रवाई अनुसंधान को बढ़ावा देगा।